सेवा में

महोदय सप्रणाम निवेदन।

महर्षि वाल्मीकि रचित रामायण महाकाव्य भारतीय जीवन का मूलस्तम्भ ही है । समस्त भारतीय व्यक्ति श्रीरामचन्द्र जी को आदर्श मानकर अपना जीवन व्यतीत करता है । जैसे जैसे हम लोग यान्त्रिक युग की अन्धता मे बढ रहे हैं उतनी ही हम लोग रामायण की आवश्यकता का अनुभव कर रहे हैं । इस दृष्टि से पूर्णप्रज्ञसंशोधनमन्दिर के सहसंस्थापक और श्रीरामजन्मभूमितीर्थक्षेत्र न्यास के न्यासी परमपूज्य श्रीश्री विश्वप्रसन्नतीर्थ स्वामीजी, श्रीपेजावरमठ उडुपी, ने श्रीरामायण पर पुनः व्याख्यान विमर्श हेतु इस रामकथास्वाद नामक अन्ताराष्ट्रिय रामायण संगोष्ठी का आयोजन करने के लिए आदेश दिये हैं । तदनुसार 5-8 जून 2023 में इस अन्ताराष्ट्रिय रामायण संगोष्ठी का आयोजन निश्चित किया गया है । केन्द्रिय-संस्कृत-विश्वविद्यालय और भारतीय-दार्शनिक-अनुसंधान-परिषद ये दोनों विश्वविख्यात संस्थाओं का सहयोग से संगोष्ठी सम्पन्न होगी । इस कार्यक्रम में आपश्री पधार कर अपनी वाणी से श्रीरामायण पर व्याख्यान देकर हम लोगों को अनुगृहीत करने की कृपा करें।

भवदीय

ए.वि नागसंपिगे

निदेशक, पूर्णप्रज्ञसंशोधनमन्दिर बेंगळूरु